वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 78 | रविवार 16 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

'नेता अपने बेटों को टिकट दिलाने को मरे जा रहे'

रंधावा बोले- बेटे नाकाबिल हैं तो टिकट नहीं; कांग्रेस को बर्बाद नहीं होने देंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने जीतने की क्षमता वाले उम्मीदवारों की जगह अपने बेटे-बेटियों को टिकट की पैरवी करने वाले नेताओं पर निशाना साधा है। रंधावा ने कहा- पार्टी के कार्यकर्ता को आगे बढ़ाने की भावना कहां से लेकर आओगे। आप तो मरे जाते हैं कि मेरे बेटे को टिकट नहीं दिया तो जहर खा लूंगा। जो दूसरा वर्कर है उसका टाइम कब आएगा? रंधावा कांग्रेस मुख्यालय जयपुर में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बोल रहे थे। रंधावा ने कहा- अगर किसी लीडर का बेटा कैपेबल है तो आ जाए और अगर कैपेबल नहीं है तो हम कांग्रेस को बर्बाद नहीं होने देंगे। आज कोई जिला अध्यक्ष है, उपाध्यक्ष है तो आप भी एमएलए बन सकते हैं। जब आप अपनी कैपेबिलिटी दिखाओगे तो आप भी बन सकते हो। मेरे पिताजी पंजाब कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष थे, लेकिन जब मुझे टिकट दिया तो वे चुनाव नहीं लड़े। उन्होंने साफ कहा था कि बेटे को टिकट दे दिया तो मैं चुनाव नहीं लड़ सकता, फिर दूसरे वर्कर को मौका कैसे मिलेगा? उस भावना की जरूरत है।

मुझे सीएम नहीं बनाया तो क्या कांग्रेस छोड़ देता?

रंधावा ने कहा- कांग्रेस हर वर्कर को सम्मान देती है। मुझे डिप्टी सीएम बनाया, मैं सीएम नहीं बना तो क्या कांग्रेस छोड़ दूं। दूसरा सीएम बना तो मैंने जमकर उसकी मदद की, उसका सहयोग किया। मैं चला जाता कि मेरे को नहीं बनाया तो मैं काम नहीं करूंगा, ऐसा थोड़ी होता है। कांग्रेस ने हमें क्या नहीं दिया?

आज के नेता गाड़ी से नहीं उतरते, माइंडसेट चेंज करें, लोगों से मिलें

रंधावा ने कहा- डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट को एक बात कहना चाहता हूं आप किसी के नहीं हो, आप कांग्रेस के हो, यह कसम खाकर जाइए। आप भेदभाव नहीं रखेंगे, आपके लिए सब बराबर हैं। माइंडसेट थोड़ा चेंज करना पड़ेगा। पुराने नेताओं को लोग क्यों याद करते हैं, क्योंकि वे हर आदमी से मिलते थे। अब तो लीडर गाड़ी से भी नहीं उतरते, कहते हैं गर्मी है। लोगों के बीच जाकर उनसे मिलना होगा, उनसे लगातार संपर्क रखना होगा। जो नेता लोगों से नहीं मिलता, वह कामयाब नहीं हो सकता।

विधायकों की तरफ ही देखते रहे तो कांग्रेस जिंदा नहीं रहेगी

रंधावा ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से कहा- डोटासराजी, हमें आदत डालनी पड़ेगी, अगर यहां बैठे संगठन के लोगों का सम्मान होगा तभी कांग्रेस जिंदा रहेगी। अगर हम एमएलए की तरफ देखते रहे तो कांग्रेस जिंदा नहीं रहेगी। एक बार हार गए तो दूसरी बार किसी और को टिकट मिलेगा। ये तो हमारे पास ही रहेंगे। ये तो हमारे योद्धा हैं। संगठन में बहुत लोग हैं। इनमें से केवल पांच फीसदी ने ही आकर कहा होगा कि हमें मंत्री विधायक या चेयरमैन बना दो। संगठन के 95 फीसदी नेता पार्टी के लिए ही काम करना चाहते हैं। मेरे मन में ऐसे लोगों के प्रति इतना सम्मान है कि जब मौका आएगा तो मैं इन्हें जरूर कुछ न कुछ पद दिलाकर सम्मान दिलाऊंगा।

सबको पड़ोस में भगत सिंह चाहिए, खुद के घर में नहीं

रंधावा ने कहा- पंजाब में सब कहते हैं भगत सिंह पैदा होना चाहिए, लेकिन मेरे घर में नहीं पड़ोस वाले घर में पैदा होना चाहिए। जब तक यह नहीं कहेंगे कि मेरे घर में भगत सिंह आएगा, तब तक पार्टी मजबूत नहीं होगी। वह ऐसे कर रहा है, वह यह कर रहा है, इससे काम नहीं चलेगा। एक दूसरे पर आरोप लगाने से काम नहीं चलता है, काम करना पड़ता है। रंधावा ने कहा- कांग्रेस जिंदा है तभी आप जिंदा हैं। सरकार बनेगी तभी आपको कोई पूछेगा। सरकार नहीं बनेगी तो कोई नहीं पूछेगा। जो विपक्षी पार्टी के किसी नेता के साथ मिल कर चलते हैं उनका भी ध्यान रखिए। जो कांग्रेस की बात नहीं करता, जो डरता है वह चाहे चला जाए। कांग्रेस में वही रहेगा, जो कांग्रेस की सेवा करेगा। कोई अगर कांग्रेस के खिलाफ बात कर रहा है, उसको निकालना हो तो निकाल दीजिए।

राष्ट्रपति को राज्यपाल ने दी भावभीनी विदाई

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को शनिवार को राजस्थान यात्रा संपन्न होने पर सांगानेर एयरपोर्ट पर भावभीनी विदाई दी। राज्य की प्रथम महिला सत्यवती मिश्र, उद्योग मंत्री शकुंतला रावत, मुख्य सचिव उषा शर्मा ने भी राष्ट्रपति मुर्मु को विदाई दी। इससे पहले राजभवन में राज्यपाल मिश्र ने राष्ट्रपति मुर्मु को यात्रा की स्मृति संजोये रखने के लिए सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार फोटो एल्बम भी भेंट किया। इस एल्बम में उनके खाटू श्याम जी मंदिर दर्शन,राजस्थान विधानसभा और राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के कार्यक्रम के छायाचित्र संजोए गए हैं।

आचार्य विद्यासागर के जयकारों के बीच संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय का हुआ लोकार्पण

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम प्रातः 7 बजे मध्यप्रदेश के प्रदीप भैया 'सुयश' के आचार्यत्व में वास्तु शुद्धि विधान हुआ। इसके बाद झंडारोहण नंदकिशोर प्रमोद पहाड़िया व उनके परिवार जनों ने किया। इसके पश्चात जैन गौरव कंवरीलाल, अशोक, सुरेश और आरके मार्बल परिवार के विमल पाटनी छात्रावास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया।

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्यश्री 108 विद्यासागर महाराज के आशीर्वाद व निर्यापक मुनि पुंगव श्री सुधासागर महाराज की प्रेरणा से श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के अंतर्गत संचालित एवं स्थापित संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या छात्रावास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण शुक्रवार को सुबह आचार्य विद्यासागर जी महाराज के जयकारों के बीच सांगानेर, वीरोदय नगर स्थित श्री दिगंबर जैन नसियां मे हुआ। कार्याध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता नई दिल्ली निवासी प्रशांत जैन ने की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सर्वप्रथम प्रातः 7 बजे मध्यप्रदेश के प्रदीप भैया 'सुयश' के आचार्यत्व में वास्तु शुद्धि विधान हुआ। इसके बाद झंडारोहण नंदकिशोर प्रमोद पहाड़िया व उनके परिवार जनों ने किया। इसके पश्चात जैन गौरव कंवरीलाल, अशोक, सुरेश और आरके मार्बल परिवार के विमल पाटनी छात्रावास के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अध्यक्ष शांति कुमार जैन ने बताया कि इस अवसर पर संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के नूतन भवन के निर्माण में सहयोगकर्ता कंवरीलाल जैन, अशोक कुमार, नंदकिशोर पहाड़िया, शांता देवी पहाड़िया, रेणु राणा, मोहित राणा, पुष्पा देवी गंगवाल, विनय और आभा सहित सम्पूर्ण भारत के श्रेष्ठीजन उपस्थित रहे। समारोह में भगवान आदिनाथ बड़े बाबा के समक्ष दीप प्रज्वलन जैन गौरव अशोक पाटनी सुशीला पाटनी, संस्थान के अध्यक्ष एस के जैन, संस्थान के कार्य अध्यक्ष प्रमोद पहाड़िया ने किया। आचार्य विद्यासागर जी महाराज के समक्ष दीप प्रज्वलन नंदकिशोर

मंगलाचरण संस्थान के छात्रों ने किया तो वहीं देव वंदना कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने किया...

सुनील पहाड़िया एआरएल ग्रुप , श्रीमती रेणु राणा,श्रीमती आशा रानी पांड्या, मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन योगेंद्र गाजियाबाद शीला डोडिया ने किया। मंगलाचरण संस्थान के छात्रों ने किया तो वहीं देव वंदना कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने किया। अरिहंत स्थल का उद्घाटन नंदकिशोर- शांतादेवी, प्रमोद- नीना, सुनील - निशा, अंकित पहाड़िया परिवार ने किया। सिद्ध तल का उद्घाटन समाजसेवी गणेश राणा की स्मृति में उनकी धर्मपत्नी रेनू राणा मोहित नंबर सारा रघुराज भरत राणा निधि जैन विकास बैराठी एवं राणा परिवार ने किया। आचार्य तल का उद्घाटन स्वर्गीय महेंद्र कुमार जी पंड्या की स्मृति में आशा देवी राजीव संजय रेनू पांडया एवं परिवार ने किया। उपाध्याय तल का उद्घाटन स्वर्गीय सुश्री प्रीति जैन की स्मृति में राजेंद्र जैन प्रशांत जैन दिव्या जैन मुंबई ने किया साधु तल का उद्घाटन स्वर्गीय अनूप चंद्र गंगवाल की स्मृति में पुष्पा देवी अजय राखी गंगवाल परिवार ने किया तीर्थंकर तल का उद्घाटन दानवीर योगेंद्र उर्मिला जैन अंकुश जैन प्राची गौरव आस्था परिवार ने किया ध्यान कक्ष का लोकार्पण दानवीर विनय आभा विवेक मैत्री आयुषी परिवार अहमदाबाद ने किया। इसके पश्चात श्रमण संस्कृति संस्थान में स्वागत कक्ष व ऑफिस का उद्घाटन आभा विनय योगेंद्र गाजियाबाद ने किया। @...पेज 3 पर

आचार्य विद्यासागर के जयकारों के बीच संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय का हुआ लोकार्पण

वेद ज्ञान

आस्था का आधार

धर्म व अध्यात्म जगत में आरंभ से ही आस्था सबसे अधिक चर्चित शब्द रहा है। यह कहा जा सकता है कि आस्था से ही धर्म की बात आगे बढ़ती है। ईश्वर में आस्था मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ गुण है। यह एक तरह से अपने सृजनहार और पालनहार के प्रति आभार की अभिव्यक्ति है। आस्था परमात्मा की सत्ता को स्वीकार और शिरोधार्य करने जैसा है, किंतु भावनाओं के अतिरेक में मनुष्य की ईश्वर और धर्म में आस्था को मापदंडों से बाहर मान लिया जाता है। इससे अंध आस्था का संकट खड़ा नजर आता है। जब कोई तर्क काम न करे, तब उसके परिणाम का आकलन भी कठिन हो जाता है। अंध विश्वास के कुपरिणाम प्रायः देखने को मिलते हैं। इससे एक सहज प्रश्न उभरता है कि क्या यह ईश्वर की राह हो सकती है? सभी धर्मों की समान राय है कि ईश्वर एक परम शक्ति है जिसने इस संसार की रचना की है और वही अपने अनुसार इसे चला रहा है। इतनी विशाल सृष्टि की रचना किसी नियोजन और आधार के बगैर संभव नहीं है। मनुष्य एक साधारण से घर का निर्माण आरंभ करता है तो उसके लिए भी योजना बनाता है अपने और परिवार के भविष्य के लिए भी कुछ निश्चित लक्ष्य तय करता है। उसे बोध है कि किसी निर्धारित योजना को अपनाकर ही उपलब्धियां अर्जित की जा सकती हैं। समाज, व्यवसाय, राज्य आदि सभी एक निश्चित मार्ग को अपनाते हैं। सभी जगह तर्कों और सिद्धांतों का बोलबाला है। फिर धर्म जगत में ऐसी अनिश्चितता क्यों जिससे अंधविश्वास को स्थान और मान्यता मिले। मनुष्य तो सारे नियोजन के बाद भी भूल कर सकता है। वह पक्षपात, धोखा, फरेब, अन्याय, अनाचार कर सकता है, किंतु ईश्वर के बारे में ऐसा सोचा भी नहीं जा सकता। वास्तव में मनुष्य अपनी दुर्बलताओं और दुर्गुणों को अंध विश्वास अथवा तर्क के परे विश्वास का नाम देकर उत्तर देने से बचना चाहता है। ईश्वर में आस्था उसके गुणों में आस्था है। ईश्वर पालक है तो यह विश्वास स्वाभाविक है कि वह सब के हित देखेगा। ईश्वर न्यायकर्ता है तो सभी यह मान लें कि वे न्याय से वंचित नहीं रहेंगे। ईश्वर अंतर्यामी है तो यह विश्वास होना चाहिए कि वह सभी के मन को जान रहा है। वह दाता है तो उसमें आस्था हो कि वह सभी को उनकी पात्रता के अनुसार देगा।

संपादकीय

भारतीय सेना की सामरिक शक्ति और बढ़ने की उम्मीद

प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा से पहले रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के लिए छब्बीस रफाल लड़ाकू विमान और तीन स्कार्पीन श्रेणी की पनडुब्बियां खरीदने को मंजूरी दे दी है। कयास है कि प्रधानमंत्री इसके सौदों को लेकर फ्रांस से बातचीत करेंगे और सौदे की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सकेगा। इस खरीद में करीब नब्बे हजार करोड़ रुपए खर्च का अनुमान है। इससे पहले वायुसेना के लिए छत्तीस रफाल लड़ाकू विमान खरीदे जा चुके हैं। इस तरह भारतीय सेना की सामरिक शक्ति और बढ़ने की उम्मीद जगी है। हालांकि पिछली रफाल खरीद में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे थे, जिनसे अभी तक सरकार का पीछा छूटा नहीं है। बेशक सर्वोच्च न्यायालय उसमें सरकार को पाक-साफ करार दे चुका है। इसलिए स्वाभाविक ही नए सौदों पर भी लोगों की नजर बनी रहेगी। मगर रक्षा सौदों की खरीद संबंधी सेना के विशेषज्ञों की परिषद ने रफाल को भारतीय सेना के लिए उपयुक्त माना है। इस सौदे की दौड़ में अमेरिकी कंपनी बोईंग का लड़ाकू विमान भी था, पर विशेषज्ञों ने उसे तकनीकी रूप से ठीक नहीं पाया। इनमें से बाईस रफाल नौसेना को मिलेंगे। पिछले चार सालों से आइएनएस विक्रांत पर तैनात करने के लिए नए लड़ाकू विमानों की मांग की जा रही थी। अभी तक रूसी विमान मिग उस पर तैनात हैं, पर वे पुराने हो चले हैं। रफाल की बनावट समुद्री इलाकों को ध्यान में रख कर तैयार की गई है। वे आइएनएस विक्रांत की जरूरतों के हिसाब से मुफीद बैठते हैं। अमेरिका लड़ाकू विमानों की तुलना में इनका प्रदर्शन भी बेहतर माना जा रहा है। इसलिए रफाल का चुनाव किया गया। इसके पक्ष में सेना का एक तर्क यह भी है कि चूंकि वायुसेना पहले ही रफाल के रखरखाव का आधारभूत ढांचा तैयार कर चुका है, इसलिए इनके रखरखाव पर अलग से खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस तरह काफी पैसा बचेगा। आइएनएस विक्रांत की जरूरतों के मुताबिक स्वदेशी लड़ाकू विमान तैयार होने में अभी काफी वक्त लगेगा, इसलिए तत्काल रफाल की खरीद जरूरी थी। दरअसल, वायुसेना में ज्यादातर लड़ाकू विमान अब पुराने हो चुके हैं और उन्हें धीरे-धीरे सेवा से बाहर किया जा रहा है। वायुसेना लंबे समय से नए विमानों के बेड़े की मांग कर रही थी। इसी के मद्देनजर पिछली सरकार के समय ही रफाल की खरीद का निर्णय लिया जा चुका था। अब उनकी खेप आनी शुरू हुई है। अब दुनिया में सामरिक शक्ति का आकलन इससे किया जाता है कि किसी देश की हवाई ताकत कितनी है। भारत की भौगोलिक बनावट कुछ ऐसी है कि यहां थल, जल और वायु तीनों क्षेत्रों में अपनी ताकत मजबूत बनाए रखने की जरूरत पड़ती है। समुद्री क्षेत्र में पिछले कई सालों से पाकिस्तान और चीन से गंभीर चुनौतियां मिलती रही हैं। ऐसे में जब आइएनएस विक्रांत को समुद्र में उतारा गया, तो इन चुनौतियों से पार पाने की ताकत काफी बढ़ गई। अब उस पर अत्याधुनिक साजो-सामान से लैस रफाल विमान तैनात होंगे, तो भारत की सामरिक शक्ति और बढ़ जाएगी।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

राजनीति और हिंसा

पश्चिम बंगाल की राजनीति और हिंसा जैसे एक-दूसरे का पर्याय बनते जा रहे हैं। जिस दिन वहां पंचायत चुनावों की तारीख घोषित हुई, उसी दिन से हिंसा शुरू हो गई और अब तक वहां पैंतालीस लोगों के मारे जाने की खबर है। नामांकन से लेकर मतदान और मतगणना के दिन तक हिंसक झड़पें होती रहीं। जैसा कि पश्चिम बंगाल चुनावों में देखा जाता रहा है, मतदान और नतीजे आने के बाद तक हिंसा की घटनाएं होती रहती हैं, पंचायत चुनाव में भी इसका सिलसिला अभी बने रहने की आशंका है। मतगणना के वक्त विभिन्न जगहों पर विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें हुई और छह लोग मारे गए। पंचायत चुनाव में वहां व्यापक हिंसा की आशंका पहले ही जताई जा चुकी थी, जिसके मद्देनजर बड़े पैमाने पर राज्य सुरक्षा बल और बलों की तैनाती की गई थी। फिर भी हिंसक घटनाएं नहीं रुकीं, तो इसमें किसे दोष देना चाहिए। अब राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने में जुट गए हैं। कांग्रेस और भाजपा राज्य सरकार को इसके लिए दोषी बता रही हैं, तो सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा के उपद्रवी कार्यकर्ताओं ने हिंसा का माहौल तैयार किया और तृणमूल कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया। इस हिंसा में बेशक सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता अधिक मारे गए हैं, मगर इस आधार पर राज्य सरकार को कानून-व्यवस्था संबंधी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्ति नहीं मिल जाती। इसमें दूसरे दलों के कार्यकर्ताओं की भी हत्याएं हुई हैं। यह कोई पहला चुनाव नहीं है, जिसमें इतने बड़े पैमाने पर वहां हिंसक झड़पें हुईं। पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनावों में भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई। यह समझ से परे है कि आखिर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं का लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा इतना कमजोर कैसे होता गया है कि वे कानून-व्यवस्था को धता बताते हुए अपने ढंग से मतदान कराने पर उतारू हो जाते हैं। वहां कोई भी राजनीतिक दल ऐसा नहीं दिखाई देता, जो अपने कार्यकर्ताओं को राजनीतिक हिंसा से दूर रहने का अनुशासन सिखाता हो। बल्कि अब तो लगता है कि वहां के मुख्य प्रतिद्वंद्वी दल सिद्धांतों के बजाय बाहुबल के जरिए मतदाताओं को अपने पाले में खींचने में ज्यादा यकीन करते हैं। इसके चलते वहां साजिशें भी रची जाती हैं और राजनीतिक विद्वेष को सतत बनाए रखने का प्रयास होता है। यही कारण है कि वहां राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में लगातार एक प्रकार का तनाव नजर आता है। राजनीतिक दल किस प्रकार अपने कार्यकर्ताओं की हिंसक गतिविधियों को उचित ठहराने और उन्हें प्रोत्साहित करने का प्रयास करते हैं, इसका उदाहरण खुद कुछ साल पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिया था। उनके कुछ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने पकड़ा, तो वे खुद उन्हें छुड़ाने के लिए थाने पहुंच गई थीं। इसी तरह दूसरे राजनीतिक दल भी पुलिस को अपने प्रभाव में लेकर अपने कार्यकर्ताओं की हिंसक गतिविधियों पर पर्दा डालने का प्रयास करते देखे जाते हैं। मगर ममता बनर्जी अगर सचमुच पश्चिम बंगाल में सुशासन के प्रति गंभीर होतीं, तो इस तरह वहां हिंसक घटनाएं न होने पातीं। चुनावों के समय, खासकर पंचायत चुनावों के समय हुई हिंसक घटनाओं से पैदा हुई दुश्मनी लंबे समय तक बनी रहती है।

नमस्कार महामंत्र सब मंत्रों का राजा है

णमो अरहन्ताणं
णमो सिद्धाणं
णमो आयरियाणं
णमो उवज्झायाणं
णमो लोए सव्व साहूणं

अरहंत सिद्ध आचार्य उपाध्याय और मुनि यह पांच परमेष्ठी हैं यह क्रमशः ज्ञान दर्शन विशुद्धि आनंद और शक्ति के प्रतीक हैं। महामंत्र का जाप करते समय कुछ विशेष रंगों के साथ मन को जोड़ा जाता है ।तथा शरीर स्थित चेतन का अनुभव करने वाले स्थानों पर मन को एकाग्र किया जाता है। सफेद ,लाल ,पीला, हरा ,और नीला रंग १-१ मंत्र पद से संबंधित है । इन रंगों की कमी से अस्वस्थता बढ़ती है। प्रमाद बढ़ता है। **बुद्धि मंद होती है। उत्तेजना बढ़ती है। और प्रतिरोध की शक्ति क्षीण होती है, रंगों के साथ मंत्र का जाप निश्चित रूप से कारगर सिद्ध होता है। नमस्कार महामंत्र के जाप से जीवन को सही दिशा मिलती है। सुख दुख की कल्पना में बदलाव आता है। तृप्ति की आकांक्षा समाप्त होने लगती है।**

जीवन का लक्ष्य बदलता है, दृष्टिकोण सही हो जाता है । संकल्प शक्ति व इच्छा शक्ति का विकास होता है। तथा चेतना आनंद एवं क्षमताओं का समन्वित जागरण होता है। बीजाक्षरों के साथ नमस्कार महामंत्र के सैकड़ों प्रयोग मिलते हैं ।अनेक आचार्य भगवन्तो ने इस महामंत्र पर अनेक ग्रंथ और मंत्र शास्त्रीय ग्रंथ लिखे हैं । ग्रह शांति, विघ्न शांति, कायोत्सर्ग पद्धति ,और वज्र पंजर आदि विभिन्न दिशाओं में इस महामंत्र का प्रयोग किया है मंत्र एक प्रतिरोधात्मक शक्ति है । मंत्र एक कवच है। मंत्र एक प्रकार की चिकित्सा है। संसार में होने वाली प्रकम्पनो से कैसे बचा जा सकता है उनके प्रभाव को कैसे कम किया जा सकता है ? इन प्रश्नों का उत्तर यही है कि व्यक्ति प्रतिरोधात्मक शक्ति का विकास करें । और अगर मंत्र की भाषा में हम कहें तो कवचीकरण का विकास करना होता है। शरीर की शुद्धि करके पद्मासन अवस्था में बैठकर हाथ से योग मुद्रा धारण करके निर्मल मन को बनाकर भव्य आत्माएं स्पष्ट, गंभीर और मधुर स्वर से संपूर्ण नमस्कार महामंत्र का उच्चारण करें यह उत्सर्ग विधि होती है। इस मंत्र का विधि पूर्वक प्रयोग करने से वशीकरण, उच्चाटन, क्षोभ, स्तंभन और मूर्च्छा आदि कार्यों में भी सिद्धि प्राप्त होती है । विधि युक्त जाप से क्षण मात्र में ही पर विद्या का छेदन हो जाता है। जो मन वचन काया की शुद्धि के साथ एक लाख नमस्कार मंत्र का जाप करता है वह तीर्थंकर नाम कर्म उपार्जन करता है। आचार्य भगवान्तो ने महा मंत्र की महिमा बताते हुए कहा है पच्चधनामादि पदानां पंचपरमेष्ठीमुद्रया जापे कृते समस्तक्षु दोपद्रव नाशः कर्मक्षयश्च। तत्र करणीकायामाद्यम्पदम् शेषाणि चत्वारि सृष्टया शंड्.वावर्त्तविधिना सकलस्य १०८ स्मरणे शाकिन्यादयो न प्रभवन्ति।।नमस्कार महामंत्र के पांच पदों का परमेष्ठी मुद्रा के द्वारा जाप करने से सभी प्रकार के उपद्रव का नाश होता है एवं कर्मों का क्षय होता है । प्रथम पद ॐह्रीं णमो अरिहंताणं की चतुर्दल कमल की कर्णिका में स्थापना करके बाकी चार पदों की अनुक्रम से चार दलों में स्थापना करके शंखावर्त विधि से पांचों पदों के स्मरण से शाकिनी आदि का उपद्रव नहीं होता।आत्म शुद्धि मंत्रॐह्रीं णमो अरिहंताणं, ॐह्रीं णमो सिद्धाणं ॐह्रीं णमो आयरियाणंॐह्रीं णमो उवज्झायाणं।आत्म शुद्धि के लिए मंत्र जाप के प्रारंभ में उपरोक्त मंत्र का १००८ बार जाप करके मंत्र जाप करना चाहिए। इससे आत्म शुद्धि होगी, आत्मिक प्रबलता बढ़ेगी ,धर्म के प्रति विनय और श्रद्धा बढ़ेगी। इन्द्राहवानन मंत्रॐह्रीं वज्राधिपतये ओं ह्रीं ऐं ह्रीं ह्रीं श्रूं ह्रँःक्षः।।इस मंत्र का २१ बार जाप करके प्राण प्रतिष्ठा करनी चाहिए । पश्चात इसी मंत्र से स्वयं की शिखा, उत्तरा संग, कंगन ,अंगूठी एवं कपड़े आदि सभी सामग्री को शुद्ध करें।ॐह्रीं श्रीं वद-वद वाग्वादिन्यै नमः स्वाहा।मंत्र से कवच की निर्मलता करें।ॐ णमो अरिहंताणं श्रुत देवी प्रशस्त हस्तेहूं फट् स्वाहा।।इस मंत्र को बोलकर अपने दोनों हाथों को धूप पर रखकर निर्मल कर ले।नहीं दे रहा हैॐ णमो ॐह्रीं सर्वपापक्षयंकरी ज्वाला सहस्त्र प्रज्वलिते मत्पापं जहि-जहि दह-दह क्षां क्षीं क्षूं क्षौ क्षः क्षीरधवले अमृतसंभवे बंधान बंधान हूं फट् स्वाहा।।इस मंत्र से शरीर की शुद्धि एवं हृदय की शुद्धि से मंत्र की सिद्धि हो जाती है।ॐ ऋषभेण पवित्रेण,पवित्री कृत्य आत्मानं पुनिमहे स्वाहाइस मंत्र से हृदय की शुद्धि करनी चाहिए राग द्वेष, क्रोध, मान, माया, लोभ एवं बुरे विचारों का त्याग करना चाहिए। असत्य का भी त्याग कर देना चाहिए।ॐ नमो भगवते झ्रों ह्रीं चन्द्रप्रभाय चन्द्र महिताय चन्द्रमूर्तये सर्वसुखप्रदायिन्यै स्वाहा।।इस मंत्र से स्वयं के मुख्य कमल को पवित्र करें और गंभीरता एवं नम्रता को धारण करें।ॐ क्षीं महामुद्रे कपिलशिखे हूं फट् स्वाहाइस मंत्र से दोनों नेत्रों को पवित्र करें।

-शेष अगले अंक में

रमेश गंगवाल
मन. 1127, मनिहारों का रास्ता,
किशनपोल बाजार जयपुर , राजस्थान
9414409133 , 8302440084

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन के सेवा पखवाड़े 15 से 31 जुलाई के अंतर्गत
स्व. श्री सुशील कुमार जी लुहाड़िया की पुण्य स्मृति में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा
श्री आदिनाथ मित्र मण्डल के सहयोग से
रक्तदान जीवन दान
रक्तदान शिविर
GIVE BLOOD GIVE LIFE
रविवार, 16 जुलाई 2023
प्रातः 9 बजे से 2 बजे तक
स्थान : कुमकुम फोटो स्टूडियो
124/269, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
क्यों न खुद की एक पहचान बनाये। चलो रक्तदान करें और करवाये।।
प्रायोजक : कुमकुम फोटो स्टूडियो
श्रीमती कुमकुम जैन, साकेत जैन, सोनिया जैन, आदेश जैन, प्रियंका जैन, तनिष्क जैन उन्नति जैन, सम्यक् जैन, नक्षत्र जैन एवं समस्त संघी लुहाड़िया परिवार
दीप प्रज्वलनकर्त्ता: श्रीमान मुकेश लख्याणी, संयोजक स्वच्छ भारत अभियान
शिविर उद्घाटनकर्त्ता: श्रीमती भारती लख्याणी, पार्षद, चेयरमेन ग्रेटर नगर निगम, जयपुर
विशिष्ट अतिथि: श्रीमान कुणाल चौधरी, पूर्व मण्डल अध्यक्ष
अध्यक्ष सुनील जैन, मंत्री राजेन्द्र बाकलीवाल, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, संयोजक अनिल जैन, अशोक सेठी
श्री आदिनाथ मित्र मण्डल
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष; अनिल-निशा संघी सचिव; सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या संरक्षक; दर्शन-विनीता जैन संरक्षक; दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक; मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष; अनिल-अनीता जैन कोषाध्यक्ष
Printed by : Vardhman Printers

केरल में 15 वर्षीय लड़के की मौत ने भारत में मस्तिष्क को खा जाने वाले अमीबा संक्रमण के बारे में चिंता पैदा कर दी है...

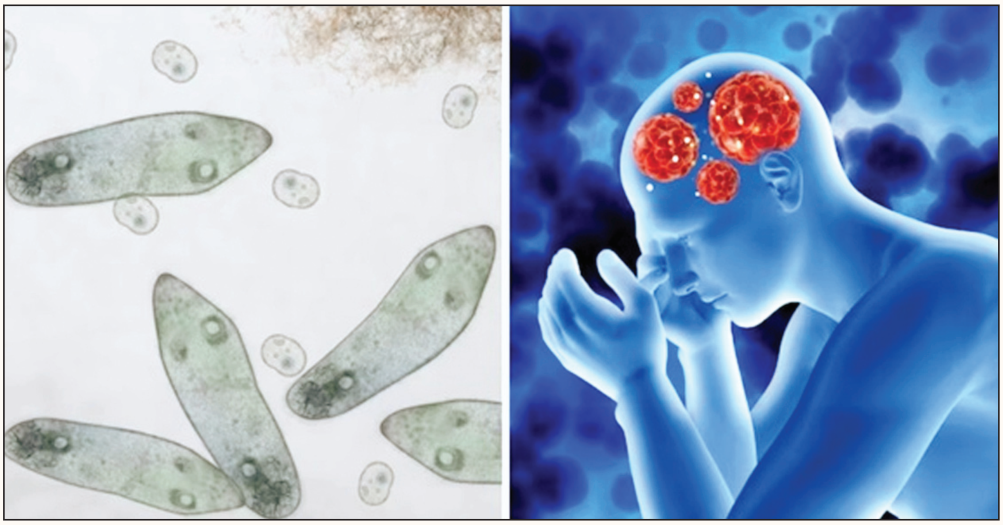

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

क्या यह देश में इस संक्रमण का पहला ज्ञात मामला है?

अमीबा एककोशिकीय जीव होता है या यह कह सकते हैं कि यह एक प्रजीव है यानि ना तो यह जंतु है, ना ही कवक और ना ही पादप। यह इतना छोटा होता है कि केवल माइक्रोस्कोप से ही इसे देखा जा सकता है। अमीबा तालाब, झील, पोखर, इंसान के शरीर में पाए जाते हैं और कोशिका विभाजन करके ये अपनी संख्या बढ़ाते हैं। वैसे तो यह बहुत सूक्ष्म जीव है लेकिन यह भोजन भी करता है। भोजन में यह बैक्टीरिया और जीवित या निर्जीव कार्बनिक कणों का भक्षण करता है। यह जीव भोजन करता है और एक घंटे के अंदर अपना विभाजन करके दो अमीबा में परिवर्तित हो जाता है। इसके नष्ट होने का कोई साक्ष्य नहीं मिलता एक तरह से यह एक अमर जीव है।

दिमाग खाने वाला अमीबा

वैसे तो सभी प्रकार के अमीबा रोगकारक होते हैं और मनुष्य की आंत में 6 प्रकार के अमीबा पाए जाते हैं लेकिन केरल में नेगलेरिया फाउलेरी नामक अमीबा का पता चला है जो दिमाग को खाता है। यह अमीबा गर्म और ताजे पानी के स्त्रोतों जैसे तालाब और पोखरों में जुलाई से सितंबर के बीच उत्पन्न होता है।ऐसे पानी में डुबकी लगाने वाले के नाक में घुसकर यह दिमाग तक पहुंच जाता है।नेगलेरिया फाउलेरी से संक्रमित होने पर मौत होने की संभावना 97% है ।इस अमीबा के दिमाग में घुसने के कारण प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोइन्सेफ्लाइटिस नामक संक्रमण हो जाता है जिससे दिमाग में सूजन हो जाने से मृत्यु हो जाती है। केरल में 15 साल के गुरुदत्त की मौत इसी बीमारी की वजह से हुई है जिसे तेज बुखार की वजह से अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद इस दुर्लभ संक्रमण का पता चला है।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन के सेवा पखवाड़े 15 से 31 जुलाई के अंतर्गत
प्रबन्ध समिति श्री नवग्रह दिगम्बर जैन मन्दिर, वाटिका के तत्वावधान में
दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर के द्वारा
विशाल वृक्षारोपण
"बंजर धरती करे पुकार
पेड़ लगाकर करो श्रृंगार"

अध्यक्ष राजकुमार कोठ्यारी | मंत्री मनीष लोंग्या | कोषाध्यक्ष पदम चन्द जैन भौंसा
एवं समस्त कार्यकारिणी
श्री नवग्रह दिगम्बर जैन मन्दिर, वाटिका

सोमवार, 17 जुलाई 2023
प्रातः 9.00 बजे से

स्थान : श्री नवग्रह दिगम्बर जैन मन्दिर
सिमल्या रोड़, वाटिका, जयपुर

संयोजक
राजेश-रितु छाबड़ा

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति जयपुर
राकेश-समता गोदिका अध्यक्ष
अनिल-निशा संघी सचिव
सुरेन्द्र-मृदुला पाण्ड्या संरक्षक
दर्शन-विनीता जैन संरक्षक
दिनेश-संगीता गंगवाल परामर्शक
मनीष-शोभना लोंग्या कार्याध्यक्ष
अनिल-अनीता जैन कोषाध्यक्ष

Printed by : Vardhman Printers

अहिंसा शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों का करेंगे प्रचार-प्रसार

बुन्देलखण्ड धार्मिक यात्रा के पोस्टर का विमोचन आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

तीर्थ क्षेत्रों की यात्रा करना पुण्य कार्य है। तीर्थ यात्रा में भाग्यवान भगवान की शरण में जाता है। श्रावक को साल में एक बार सिद्ध क्षेत्र, अतिशय क्षेत्र की यात्रा अवश्य करनी चाहिये। देव गुरु के श्रवण कर उस पर जो श्रदान करते हैं वे सच्चे श्रावक कहलाते हैं। धर्म के लिए सफर यात्रा है, सांसारिक भ्रमण सफर है। ये उदगार आचार्य सौरभ सागर महाराज ने प्रतापनगर के सैक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित धर्म सभा के दौरान पोस्टर विमोचन समारोह में व्यक्त किए। इस मौके पर श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ जयपुर के तत्वावधान में रविवार ,16 जुलाई से रविवार,23 जुलाई तक आयोजित 8 दिवसीय बुन्देलखण्ड धार्मिक यात्रा के बहु रंगीय पोस्टर का विमोचन

आचार्य श्री के सानिध्य में किया गया। इस मौके पर पद यात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन, यात्रा के मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल, संयोजक सुरेश ठोलिया, विनोद जैन कोटखावदा,पवन जैन सहित संघ के कार्यकारिणी सदस्य एवं मंदिर कमेटी अध्यक्ष कमलेश जैन, मंत्री महेन्द्र जैन पचाला वाले, मुख्य समन्वयक गजेन्द्र बड़जात्या, दुर्गा लाल नेता, सुनील साखूनिया आदि उपस्थित थे। यात्रा संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने पद यात्रा संघ की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। संचालन जिनेन्द्र जैन जीतू ने किया। इससे पूर्व मंगलाचरण के बाद पद यात्रा संघ के पदाधिकारियों ने आचार्य श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं मुख्य संयोजक अमर चन्द दीवान खोराबीसल ने बताया कि 200 सदस्यीय धार्मिक यात्रा दल जयपुर से रविवार ,16 जुलाई को प्रातः भट्टारक जी की नसियां से वातानुकूलित बसों द्वारा रवाना होगा। यात्रा दल भुसावर, ज्ञान तीर्थ मुरैना, सिद्ध क्षेत्र श्री सोनागिर जी, करगुंवा जी, पावागिरिजी, पपौरा,अहार जी, द्रोणगिरी, नैनागिरी, कुण्डलपुर, ललितपुर, देवगढ़, चन्देरी, गोलाकोट, चांदखेड़ी, बिजोलिया,जहाजपुर स्वस्तिधाम होता हुआ रविवार,23 जुलाई को रात्रि में वापस जयपुर लौटेगा। संयोजक विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा के दौरान अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा अर्चना,पर्वत वन्दना,साधु संतों के दर्शन लाभ एवं प्रवचन लाभ के साथ भगवान महावीर के सिद्धांतों, अहिंसा शाकाहार का प्रचार प्रसार किया जाएगा।

भगवान महावीर 2550वा निर्वाण कल्याणक महोत्सव का आगाज धुलियान में...

धुलियान पश्चिम बंगाल. शाबाश इंडिया

इस वर्ष श्री 1008 भगवान महावीर का 2550वां निर्वाण महा महोत्सव के उपलक्ष में पवित्र गंगा नदी किनारे वसा श्री 1008 भगवान महावीर दिगंबर जैन मंदिर पर आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी ससंघ के सानिध्य में ताः- 09 जुलाई 2023 से 50 दिन का जिन सहस्त्र नाम महार्चना भक्ति भाव के साथ हो रहा है जो 27 अगस्त 2023 तक चलेगा, हर दिन का एक पुण्यार्जक होता है, जिसमें सहस्त्र नाम का जाप, स्वयंम्भु स्तोत्र आदी का पाठ होता है जो आनन्द के साथ भक्त झूमते हुए नजर आते है, सांय को भक्तामर रिद्धिमन्त्र से दीप प्रज्वलन, प्रवचन, आनन्द यात्रा, आरती रोजाना होता है सब मिलाकर धुलियान में धर्म की गंगा वह रही है, ग्यात हो आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी ससंघ का वषायोग धुलियान पश्चिम बंगाल में धर्म प्रभावना के साथ चल रहा है इस कारण श्रावक में उत्साह का माहोल है।

संजय कुमार जैन बड़जात्या धुलियान मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल

रोटरी क्लब जयपुर का 77वां अधिष्ठापन समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी अंतरराष्ट्रीय प्रांत 3056 से संबंधित रोटरी क्लब जयपुर का 77वॉ अधिष्ठापन समारोह का आयोजन शुक्रवार दिनांक 14 जुलाई 2023 को चर्च रोड स्थित रोटरी भवन में संपन्न हुआ जिसमें रोटरी क्लब जयपुर के 2023- 24 के अध्यक्ष रोटे. उजास चंद जैन, सचिव रोटे. पीयूष जैन एवं संचालक मंडल को शपथ दिलाई गई। प्रोग्राम के मुख्य अतिथि पूर्व प्रांतपाल रोटे. डॉ वीरेंद्र कुमार गंगवाल (ग्वालियर), विशिष्ट अतिथि रोटरी डिस्ट्रिक्ट 1130 लंदन के प्रांतपाल इलेक्ट् रोटे.हिमांशु जैन और अधिष्ठापन अधिकारी रोटरी क्लब जयपुर के पूर्व अध्यक्ष रोटे. सी ए शांतिलाल गंगवाल रहे। प्रोग्राम में 6 नए मेंबर को भी रोटरी की शपथ दिलाई गई। रोटरी पत्रिका ''नए अंदाज में'' का विमोचन किया गया। रोटरी क्लब जयपुर द्वारा बनाया गया कैलेंडर अतिथियों को भेंट किया गया। क्लब के मेजर डोनर लेवल 2 रोटे जी पी अग्रवाल एवं रोटे चंदा अग्रवाल का अभिनंदन किया गया। अध्यक्ष 22-23 रोटे एस के टाक ने सभा का आरंभ किया। समाज सेवा के उद्देश्य से प्रोग्राम में एक दिव्यांग महिला जेबा फारुकी को एक सिलाई मशीन भेंट की गई। मुख्य अतिथि पूर्व प्रांत पाल डॉ वीरेंद्र कुमार गंगवाल ने रोटरी क्लब जयपुर के स्थाई प्रोजेक्ट रोटरी मेडिकल सेंटर, रोटरी स्कूल लदाना व अन्य सामाजिक कार्य की सराहना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित की।

जनकपुरी महिला मंडल का गेट टू गेदर संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसून के सीजन को चलते हुए महिला मंडल ज्योतिनगर जनकपुरी के सदस्यो का गेट टुगेदर रेनबो थीम पर आयोजित किया गया। सबने शानदार फन के साथ रेनबो नेक्स्ट स्नैक्स, रेनबो थीम पर गेम, रेनबो थीम पर धमाल किया। अध्यक्ष शकुंतला के द्वारा आयोजित गेट टुगेदर में उर्मिला, सुनीता, शीला, मीना, मंजू, सारिका, सुनीता अजमेरा, गुणमाला, लॉर्ड देवी जैन, स्नेह लता सहित उपस्थित सभी ने बहुत ही मनोरंजक गेम खेले।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

44वें स्थापना दिवस पर त्रि-दिवसीय महोत्सव

आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में हुआ पोस्टर विमोचन। स्थापना दिवस पर ही होती है मुख्य प्रतिमा की शान्तिधारा। शनिवार 15 जुलाई से सोमवार 17 जुलाई तक होंगे कई धार्मिक आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर को 43 वर्ष पूर्ण होने पर 44वें स्थापना दिवस पर 15 से 17 जुलाई को तीन दिन उत्साह व भक्ति भाव से महोत्सव का आयोजन गणिनी आर्यिका विशुद्ध मति की शिष्या आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में होगा।महोत्सव के पोस्टर का शुक्रवार को नेमिनाथ भगवान के समक्ष विमोचन किया गया।प्रबंध समिति के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार महोत्सव में नित्य अभिषेक शान्तिधारा के अलावा शनिवार को नेमिनाथ दीप अर्चना ,रविवार को संगीतमय पारिवारिक विधान पूजन व शाम को साज बाज के साथ भक्तामर दीप अर्चना तथा सोमवार को बीजाक्षर युक्त वार्षिक विशेष शान्तिधारा, गाजे बाजे से आदिनाथ चैत्यालय ज्योतिनगर से इमलीफाटक होते हुए शोभा यात्रा, ध्वजा -झण्डारोहण व मूलनायक तीर्थंकर नेमिनाथ की पूजन आदि के कार्यक्रम होंगे। समाज के करीब 250 परिवारों के अलावा आसपास की कालोनियों, कस्बो से श्रावको की महोत्सव में सहभागिता रहेगी ।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन

मानव सेवार्थ पखवाड़ा के तत्वाधान में

संगिनी फॉरएवर द्वारा

श्रीमान राजेन्द्र जी जैन श्रीमती कमलेश जी जैन केमरा वाले

निःशुल्क विशाल नेत्र चिकित्सा शिविर

का आयोजन

रविवार, 16 जुलाई, 2023 समयः प्रातः10.00 से 1.00 बजे तक

शिविर स्थल : आदिश्वर गार्डन एवं रिसोर्ट, जयपुर रोड़, चाकसू

सम्पर्क - शकुन्तला बिन्दायका -अध्यक्ष 9529421053, सुनीता गंगवाल- सचिव 8005878352, उर्मिला जैन- कोषाध्यक्ष 94134 90487

चित्रलता, मीनाक्षी जैन संरक्षक, अर्चना जैन, मधु पांड्या, शीला सेठी, पुष्पा बिलाला, कांता पाटनी, बबीता जैन, अल्का, अंजना, अनिता, बीना, लता।

चंद्रयान-3: भारत का तीसरा मून मिशन

शाबाश इंडिया

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने चंद्रयान-3 को लॉन्च कर दिया। इसकी लॉन्चिंग आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन स्पेस सेंटर की गई। यह यान करीब 42 दिनों की यात्रा करने के बाद 23 अगस्त को चंद्रमा के दक्षिण हिस्से पर लैंड करेगा। चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग को इसरो के ऑफिशियल वेबसाइट पर लाइव देख सकते हैं। अगर चंद्रमा पर चंद्रयान-3 की लैंडिंग सफल होती है तो भारत इन तीन अन्य देशों- अमेरिका, सोवियत संघ (जो अब रूस) और चीन की सूची में शामिल हो जाएगा जो चांद पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने में सफल रहे हैं। भारत की ओर से 2019 में चंद्रयान-2 मिशन लॉन्च किया गया था, लेकिन सॉफ्ट लैंडिंग के दौरान मिशन फेल हो गया था। 2019 में चंद्रयान-2 की सफल लैंडिंग नहीं होने के बाद भी देश के साइंटिस्टों ने हार नहीं मानी और करीब चार साल बाद एक फिर से मिशन को लॉन्च किया है। जिसका नाम चंद्रयान-3 है। चंद्रयान-3 के तीन अहम पार्ट हैं। इसमें पहला लैंडर दूसरा रोवर और तीसरा प्रॉपल्सन मॉड्यूल लगा हुआ है। लैंडर और रोवर को क्रमशः विक्रम और प्रज्ञान नाम दिया गया है। वहीं, चंद्रयान-3 के कुल वेट की बात करें तो इसका वजन करीब 3,900 किलोग्राम है। श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया चंद्रयान-3 अपने सफर के दौरान करीब 3.84 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। चंद्रमा के ऑर्बिट में पहुंचने के बाद प्रॉपल्सन मॉड्यूल से लैंडर अलग हो जाएगा और वो रोवर को अपने साथ लेकर आगे की यात्रा शुरू करेगा। चंद्रमा की कक्षा का भ्रमण करते हुए 23-24 अगस्त को लैंडर मून के साउथ पोल पर लैंड करेगा। इसरो प्रमुख एस सोमनाथ ने कहा कि सब कुछ रहा तो चंद्रयान की 23 अगस्त, शाम 5.47 बजे चंद्रमा की सतह पर लैंडिंग होगी। चंद्रयान-2 की तुलना में चंद्रयान-3 में कई तरह के बदलाव भी किए गए हैं।

सबसे ज्यादा ध्यान लैंडर की गति को कंट्रोल करने और सुरक्षित लैंडिंग पर दी गई है। इसके लिए साइंटिस्टों ने तकनीक में कई बदलाव किए हैं क्योंकि कुछ एक्सपर्टों का मानना है कि पिछली बार चंद्रमा पर लैंड करते वक्त लैंडर की गति ज्यादा थी जिसकी वजह से वो बेकाबू हो गया होगा और सतह पर उसकी क्रैश लैंडिंग हुई होगी हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई तथ्यात्मक जानकारी सामने नहीं आई है। चंद्रयान-3 के उद्देश्य की बात करें तो यह जब चांद की सतह पर उतरेगा तो वहां की स्थितियों से जुड़ी जानकारी इसरो को मुहैया कराएगा। रोवर इस बात की खोज करेगा कि चांद के दक्षिण हिस्से में क्या-क्या, कौन-कौन से खनिज मौजूद हैं, और पानी है कि नहीं। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का अधिकांश हिस्सा हमेशा अंधेरे में रहता है क्योंकि वहां सूरज की रोशनी नहीं पहुंचती है। इस जगह पर तापमान शून्य से 235 डिग्री तक नीचे रहता है। ऐसे में चंद्रयान-3 इस स्थान पर जमी हुई बर्फ की खोज करेगा। इसके साथ-साथ रोवर चंद्रमा की सतह पर और भी कई वैज्ञानिक परीक्षण करेगा और जानकारी इकट्ठा कर इसरो को उपलब्ध करवाएगा। इस खोज से खास बात ये होगी कि अगर कभी भविष्य में हम चांद में कॉलोनियां बसाना चाहें, तो इसमें बहुत मदद मिलेगी। चंद्रयान-3 पर व्यय चंद्रयान-2 की तुलना में कम है। चंद्रयान-3 में कुल खर्च करीब 615 करोड़ रुपए आया है जबकि चंद्रयान-2 के लिए करीब 978 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। ऐसा इसलिए क्योंकि जब चंद्रयान-2 लॉन्च किया गया था तब यान के कुल तीन हिस्से थे- ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर। लैंडर और रोवर का तो पता नहीं, लेकिन ऑर्बिटर अभी भी अपनी कक्षा में मौजूद है। ऐसे में इस बार ऑर्बिटर की पूरी लागत बच गई है। हालांकि, लैंडर में कुछ तकनीकी बदलाव किए गए हैं तो उसकी कीमत थोड़ी ऊपर नीचे हो सकती है।

पूजा गुप्ता
मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

जैन दिगंबर मुनि आचार्य श्री कामकुमार नंदी जी के नृशंस हत्या के विरोध मे ग्वालियर कलेक्टर को ज्ञापन दिया

जया अग्रवाल. शाबाश इंडिया

ग्वालियर मध्यप्रदेश। कर्नाटक में बेलगाम के निकट हिरेकोड़ी में 6 जुलाई को जैन दिगंबर मुनि आचार्य श्री कामकुमार नंदी जी के अपहरण नृशंस हत्या का समाचार सुनकर संपूर्ण समाज स्तब्ध और शोकाकुल है जैन साधुओं पर हो रहे हमलों और हत्या से संपूर्ण जैन समाज आक्रोशित है। जैन दिगंबर मुनि की नृशंस हत्या के विरोध में ग्वालियर के सकल जैन समाज ने मिलकर, ग्वालियर न्यू कलेक्ट्रेट में इस हत्या पर कर्नाटक सरकार द्वारा की जा रही गतिविधियों के विरोध में संयुक्त कलेक्टर संदीप जैन एवं एसडीएम प्रदीप तोमर को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन दिया एवं शाम को गस्ते ताजिया नई सड़क से टाउन हॉल महाराज बाड़े तक कैंडल मार्च निकाला कर कर्नाटक सरकार के प्रति विरोध प्रदर्शित किया। कैंडल मार्च में सकल जैन समाज ने एकत्र होकर मुनि श्री की निर्मम हत्या के विरोध में अपनी आवाज उठाई। कैंडल मार्च एवं ज्ञापन देते समय मुख्य रूप से सकल जैन महापंचायत के अध्यक्ष पारस जैन,महेंद्र कुमार जैन टोंगिया एडवोकेट, आर एस एस, शाखा प्रांत अध्यक्ष मोनिका जैन एडवोकेट, ज्ञानचंद जैन, विपुल जैन,विजय जैन, अनुपम चौधरी, जयकुमार जैन, अशोक बैद, अनिल शाह,अमीरश जैन, नीतू जैन, सुशीला जैन, डॉ. याशी जैन एवं अन्य सदस्य उपस्थित हुए। एवं कैंडल मार्च में ललित जैन भानु जैन बंटी जैन नीरज छाबड़ा नीलिमा छाबड़ा अनुपम चौधरी अरविंद मोदी रविंद्र बाबा सुषमा जैन प्रीति जैन पंकज लाला मुकेश जैन सोनम जैन पारस जैन संजीव जैन रवि जैन नीरज जैन विनय जैन आदि सकल जैन समाज पर उपस्थित हुआ। सकल जैन महापंचायत के अध्यक्ष पारस जैन ने अपने संबोधन मे कहां कि जैन समाज मुनि श्री कि इस नृशंश हत्या की कठोर निंदा करता है। मोनिका जैन एडवोकेट ने कहा कि हमारा जैन धर्म अहिंसा परमो का नारा देश को देता है और यहां धर्म अहिंसा के मार्ग पर चलना सिखाता है हमारे जैन धर्म गुरुओं के साथ ऐसे क्रूरतापूर्ण व्यवहार के लिए विश्व का संपूर्ण जैन समाज कठोरता से निंदा करता है। कर्नाटक सरकार से यह मांग है कि इस हत्याकांड की सीबीआई जांच पुनः की जाए एवं हत्यारों को गिरफ्तार कर उन्हें संविधान के अनुसार उचित दंड दिया जाए।

जैनाचार्य की हत्या के विरोध में जैन समाज उतरा सड़कों पर

कड़ी कार्यवाही की मांग के साथ मौन जुलूस निकालकर दिया ज्ञापन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

मुरैना। जैनाचार्य श्री कामकुमार नंदी महाराज की निर्मम हत्या के विरोध में जैन समाज आज सड़कों पर उतरा। स्थानीय समाज ने मौन जुलूस निकालकर ज्ञापन सौंपते हुए कड़ी कार्यवाही की मांग की। विगत 8 जुलाई को कर्नाटक प्रांत के हीरेखोड़ी गांव के जैन आश्रम में चतुर्मासरत जैन संत आचार्य श्री कामकुमार नंदी महाराज का अपहरण कर उनकी निर्मम हत्या से जैन समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है। उक्त हत्याकांड के विरोध में स्थानीय जैन समाज द्वारा द्वारा मौन जुलूस निकालकर भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवम कर्नाटक के मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन स्थानीय प्रशासन को प्रदान किया। जैन समाज के सभी लोग आज बड़े जैन मंदिर में एकत्रित हुए, सभी ने विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध रखी थी और हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लिए हुए थे । बड़े जैन मंदिर से एक विशाल मौन जुलूस प्रारंभ होकर लोहिया बाजार, सराफा बाजार, झंडा चौक, हनुमान चौराहा, सदर बाजार, पुल तिराहा होते हुए पुरानी कलेक्ट्रेट ऑफिस पहुंचा। कलेक्ट्रेट ऑफिस में उपस्थित एस डी एम भूपेंद्र कुशवाह को अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में उक्त हत्याकांड को दुखद व निंदनीय बताते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएं जाने, साधु संतो की सुरक्षा एवम जैन आयोग गठन की मांग की गई हैं। मौन जुलूस में भारी संख्या में साधर्मी बंधु, माता बहिने एवम युवा साथी सम्मिलित हुए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदन में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुदन में आज मानवता सेवा संस्थान समिति व बड़ौदा राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कुदन के तत्वावधान में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसमें 21पौधे लगायें इस कार्यक्रम में गांव के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। बैंक मैनेजर अनिल, डां गरिमा फगेडिया सरपंच प्रतिनिधि, सुलतान सुंडा, बसंत भास्कर, निर्मल महरिया, करण सिंह, रिछपाल सुंडा, सुनील महरिया, सुरेश करषणीया, मानवता सेवा संस्थान कुदन के अध्यक्ष अशोक भास्कर,अशोक सुडा,सतीश सुडा, पियुश शर्मा, हरिराम सुडा, सुभाष जांगीड़, ताराचंद आदि उपस्थित रहे।बैंक प्रबंधक अनिल ने बताया कि पर्यावरण को बचाने के लिए हमारी बैंक पौधारोपण कार्य करती है। मानवता सेवा संस्थान के अध्यक्ष अशोक ने बताया कि हमारी संस्था कई कार्यक्रम गांव में आयोजित करेगी जिसमें गरीब बच्चों की पढ़ाई व गरीब लड़कियों की शादी में भी सहयोग करेगी।

3 सितम्बर को होगा महासंगम

5 हजार किलो पीले चावल बाटे जायेगे पूरे प्रदेश में, प्रदेश स्तरीय ब्राह्मण नेताओं की हुई संयुक्त बैठक

जयपुर. शाबाश इंडिया

आगामी 3 सितम्बर को होने वाले ब्राह्मण महासंगम के लिये आज बनीपार्क स्थित खण्डाका हाउस मे सर्व ब्राह्मण महासभा एवं अन्य ब्राह्मण संगठनों की प्रदेश स्तरीय संयुक्त बैठक आयोजित की गई। जिसमें समाज की महिलाओं ने पीले चावल वितरण कर कार्यक्रम की शुरूआत कि साथ ही तय किया गया है कि पूरे प्रदेश में 5 हजार किलो पीले चावल वितरण किये जायेगें। जिसकी शुरूआत आज जयपुर से हुई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि 3 सितंबर को आने वाले महासंगम के प्रति समाज का जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसलिए इस बार पहली बार प्रदेश की 200 की 200 विधानसभाओं से समाज बंधुओं को जयपुर बुलाया जाएगा और समाज हित में जो भी निर्णय इस महासंगम में लिये जायेगें उन्हें समाज के हर तबके तक पहुंचाया जायेगा। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव सबको साथ लेकर चलता है तथा सर्वजन सुखाय की भावना के साथ काम करता है।पूरी उम्मीद है कि आगामी ब्राह्मण महासंगम देश को एक नई दिशा देगा। शर्मा कहा कि महासभा ने एक लम्बी लड़ाई ईडब्ल्यूएस आरक्षण के लिये लड़ी थी।उस समय भी महासभा ने लाखो-लाख ब्राह्मणों को आरक्षण रैलियां आयोजित की थी और सभी राजनीतिक पार्टियों के नेताओं ने उस समय महासभा के मंच पर आकर समर्थन दिया था। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में समाज का प्रतिनिधित्व बढे और समाज एकजूट होकर अपने मताधिकार का उपयोग करें। मुख्य एजेंडे के रूप में 14 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग, भगवान परशुराम विश्वविद्यालय की स्थापना, भगवान परशुराम जी की 111 फीट प्रतिमा की स्थापना, प्रत्येक जिले में गुरूकुल की स्थापना, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में हो रही विसंगतियों को दूर करना, ब्राह्मण आरक्षण आंदोलन के समय लगाये गये मुकदमों को वापिस लेना, ब्राह्मण बालिकाओं के लिये छात्रावास की स्थापना, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में राजनीतिक आरक्षण भी मिले सहित अन्य प्रस्ताव इस महासंगम में लिये जायेगें। महासभा ने समाज को एकजुट करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम हाथ में ले रखे है।जिसमें सामूहिक विवाह, सामूहिक उपनयन संस्कार, ज्योतिष कर्मकाण्ड शिविर, छात्रवृत्ति देने सहित अनेका अनेक कार्यक्रम महासभा द्वारा किये जा रहे है। सभी वक्ताओं ने कहा कि इस महासंगम में ब्राह्मण अस्मिता को मजबूत करने, समाज को एकजुट करने साथ ही राजनीतिक एवं सामाजिक रूप से समाज की ताकत को बढाना,

एकमात्र उद्देश्य होगा।जिन्हे प्रत्येक गांव, तहसील तक पहुंचाया जाये।इस पर भी चर्चा होगी। साथ ही पूरे प्रदेश में ब्राह्मणों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढे, ईडब्ल्यूएस आरक्षण में राजनीतिक आरक्षण भी हो, ये सब विषय भी इस महासंगम में रखे जायेगें। इस अवसर पर चौमूं विधायक रामलाल शर्मा, विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा, सच बेधडक के फाउंडर विनायक शर्मा, महासभा के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य राजेश्वर, संरक्षक एच.सी. गणेशिया, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री महिला मोर्चा सविता शर्मा, खोले के हनुमान जी के महामंत्री बी.एम. शर्मा, विप्र महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुनिल उदईया, परशुराम सेना के अध्यक्ष एडवोकेट अनिल चतुर्वेदी, रिटायर्ड आरपीएस. नटवरलाल शर्मा, मेहंदीपुर बालाजी से संदीप तिवारी, डीपीआर अतिरिक्त निदेशक गोविन्द पारीक, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बृजराज उपाध्याय, जिला अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, जयपुर शहर अध्यक्ष अनिल सारस्वत, जयपुर देहात जिलाध्यक्ष पुरूशोत्तम पंचैली, युवा प्रदेशाध्यक्ष गब्बर कटारा, जयपुर युवा अध्यक्ष अविकुल शर्मा, टोंक जिलाध्यक्ष शैलेन्द्र शर्मा, प्रदेश सचिव हनुमान शर्मा, बूंदी जिला अध्यक्ष अम्बरीष व्यास, अध्यक्ष गंगापुर सिटी बालकृष्ण शर्मा, भरतपुर जिला अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, अलवर जिला अध्यक्ष पं. राजकुमार पंडा, धौलपुर जिलाध्यक्ष लवकुश शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री मधुसूदन शर्मा, श्याम शास्त्री, हरीश मिश्रा, प्रदेश सचिव राकेश शर्मा, कोटा शहर अध्यक्ष कौशल किशोर, कोटा देहात अध्यक्ष नरेन्द्र शर्मा, महिला प्रकोष्ठ से निधि शर्मा, ममता पंचोली, मनोज मिश्र, अरविन्द मिश्र, नरेन्द्र शर्मा, श्याम शास्त्री, सत्यवीर भारद्वाज, अवधेश शर्मा टोंक, मांगी लाल पंड्या, श्री किशन शर्मा, दुगाशंकर शर्मा, नरेश आत्रेय, निधि शर्मा, मंजू लता शर्मा, पूनम शर्मा, ममता पंचोली, सरिता शर्मा, शिवचरण शर्मा, पूर्व पार्षद मुकेश शर्मा, विक्रम स्वामी, पं. पवन शर्मा, डॉ. एल.सी. शर्मा, सरिता शर्मा, डॉ. रूपराज शर्मा, प्रमोद शर्मा, अरुण शर्मा, वरुण शर्मा, सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

सखी गुलाबी नगरी ने किया कैंसर अवेयरनेस कैम्प का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाज सेवा को समर्पित सखी गुलाबी नगरी ने हमेशा की तरह सामजिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एवं कैंसर केयर महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में कैंसर जाँच आपके द्वार कैम्प का 15 जुलाई 23 को आयोजन किया। सखी गुलाबी नगरी की अध्यक्षा सारिका जैन ने बताया कि कार्यक्रम की प्रेरणा स्तोत्र कैंसर केयर की अध्यक्षा अनिला कोठारी जी रही। जिनके मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में कैंसर के प्रति जागरूक सखी सदस्यों के साथ साथ कठपुतली नगर के सदस्यों का भी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम की सहयोगकर्ता मधु जितेन्द्र , रश्मि गजेंद्र , प्रीतिमा सतीश जी रहे। महावीर हॉस्पिटल से कैंसर केयर की टीम ने पधारकर सभी सखी सदस्यों का हौसला बढ़ाया व शिविर की सराहना की। सचिव स्वाति जैन ने बताया की शिविर में 111 सदस्यों का रजिस्ट्रेशन हुआ। कार्यक्रम के स्थल संयोजक डॉ ओ पी टॉक थे।कार्यक्रम की संयोजक आशा जैन, रानी पाटनी, सुनीता जैन एवं इंदु थी। कार्यक्रम की सफलता में सखी की संयोजको का, संपूर्ण कमेटी व सभी सदस्यों का बहुत योगदान रहा। डॉ. संजीव, डॉ.निर्मला महावर, डॉ हरीश सिंघल के साथ उनकी पूरी टीम का सराहनीय योगदान रहा। अध्यक्षा सारिका जैन ने शिविर में पधारे सभी सदस्यों, डॉक्टर्स की टीम और संयोजकों व कार्यकारिणी को धन्यवाद दिया।

नेट थिएट रंग संस्कृति के 3 वर्ष, कत्थक और लोक नृत्य हुआ साकार

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज कथक गुरु श्वेता गर्ग के निर्देशन में उनकी शिष्याओं द्वारा जयपुर कत्थक और लोक नृत्यों ने ऐसी छटा बिखेरी कि बादलों की गर्जना के साथ संस्कृति की फुहारों ने ऐसा सराबोर किया कि दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कथक नृत्यांगना तनिष्का मुद्गल ने कार्यक्रम की शुरूआत शिव श्लोक आंगिकम् भुवनम् यस्य वाचिकम् से की। इसके बाद जयपुर का शुद्ध कथक में 16 मात्रा, थाट, आमद,तिस्त्र जाति, परन,चक्रधार तोड़ा, कवित्त की लडी से कथक को साकार किया और अंत में भाव ठुमरी ''छाड़ो छेड़ो ना कन्हाई, रे काहे को रोको गैरवा'',में लयकारी ताल एवं भाव की स्पष्ट झलक देखने को मिली। कार्यक्रम में पूर्णिमा दायलानी, रक्षिता शेखावत, किया तिवारी और तनिष्का मुद्गल ने राजस्थान का सुप्रसिद्ध नृत्य मंजीरा रुण झुण बाजे घुघरा घोड़े रा बाजे पोड जी की प्रस्तुति से राजस्थानी संस्कृति की ऐसी छटा बिखेरी कि राजस्थान की माटी की महक खिल उठी। नेट थिएट के मनोज स्वामी ने बताया कि नेट थिएट रंग संस्कृति के तीन वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस मंच पर 150 से अधिक कार्यक्रमों के माध्यम से 750 से अधिक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से नेट थिएट को देश दुनिया में अलग पहचान दिलाई। इस मंच पर नृत्य, संगीत, नाटक,कव्वाली, गजल,कवि सम्मेलन, मुशायरा,चित्रकला आदि के कार्यक्रम आयोजित हुए हैं। कार्यक्रम का संचालन सुप्रसिद्ध उद्घोषक आर.डी.अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम संयोजक गुलजार हुसैन,कैमरा और लाईट मनोज स्वामी, संगीत तपेश शर्मा , मंच व्यवस्था अर्जुन देव,अंकित शर्मा नोनू एवं जीवितेश शर्मा की रही।

श्री दिगम्बर जैन मुनि सघ सेवा समिति के तत्वावधान मे आचार्य विवेक सागर जी महाराज ससंघ

श्री भक्तामर स्तोत्र 48 दिवसीय प्रवचन श्रृंखला व संगीतमय दीप महार्चना का शुभारंभ रविवार 16 जुलाई को

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। श्री दिगम्बर जैन मुनि सघ सेवा समिति के तत्वावधान मे आचार्य विवेक सागर जी महाराज ससंघ पावन वषायोग के कार्यक्रम की श्रृंखला में श्री भक्तामर स्तोत्र 48 दिवसीय प्रवचन श्रृंखला व प्रशिक्षण शिविर एवं संगीतमय दीप महार्चना का आयोजन रविवार 16 जुलाईसे प्रारंभ हो रहा है। आचार्य श्री विवेक सागर जी महाराज ने श्री भक्तामर स्तोत्र की महिमा का वर्णन करते हुए बताया की स्तोत्र की महिमा अपूर्व है, महाप्रभावक है,जो पुरुष श्रद्धा पूर्वक नित्य- नियमित इस महा-स्तोत्र का पाठ करता है उसके हृदय रूपी कमल की पांखुड़ियां प्रस्फुटित होने लगती हैं, उसमें दिव्य- प्रकाश की किरणें फूटने लगती है और उस आराधक के आध्यात्मिक विकास के पथ को प्रशस्त करने लगती हैं। संसारिक विपदाएं, पारिवारिक कलह व व्यापार वृद्धि जैसे संकट क्षण भर मे नाश हो जाते है एवं आत्म शांति, सुख- सम्पन्नता व स्वस्थता जीवन मे प्रवेश करती है। पदम चन्द सोगानी ने बताया पुण्यार्जक परिवारों द्वारा प्रति दिन प्रातःकाल 8.15 बजे रजतमयी मंगल कलश की स्थापना व मांगलिक क्रियाएँ सम्पन्न की जायेगी तत्पश्चात आचार्य श्री विवेकसागर जी महाराज के मुखारविंद से प्रत्येक दिवस एक- एक श्लोक का शुद्ध उच्चारण, अर्थ एवं श्लोक का महात्म्य पर व्याख्यान होगा सायंकाल 8.00 बजे से साधर्मी बंधु 48 रजतमयी दीपको से संगीतमय श्री भक्तामर स्तोत्र के पाठ के साथ दीप समर्पित कर महाआराधना व महाआरती करेगे सम्पूर्ण आयोजन पंचायत छोटा धड़ा नसियां अजमेर में आयोजित होगा।

कृषि मंत्री लालचंद कटारिया ने की जैन समुदाय के लिए श्रमण संस्कृति बोर्ड की अनुशंसा

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रदेश के श्वेतांबर एवं दिगंबर जैन समुदाय के तीर्थ क्षेत्रों, धार्मिक संपत्तियों एवं साधु-संतों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए प्रदेश के कृषि एवं पशुपालन मंत्री लालचंद कटारिया ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जैन समुदाय की भावनाओं का सम्मान करते हुए अन्य समाजों के बोर्ड की तर्ज पर जैन समुदाय के लिए भी ''श्रमण संस्कृति बोर्ड'' का गठन करने का अनुरोध किया है। प्रदेश की अनेक जैन संस्थाओं एवं प्रतिनिधियों ने कृषि मंत्री कटारिया को ज्ञापन देकर उनकी बोर्ड के गठन की मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आग्रह करने पर कृषि मंत्री ने आज दोबारा मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। ज्ञातव्य है कि श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति, नेमीसागर कॉलोनी जयपुर के अध्यक्ष जे के जैन-कालाडेरा, मंत्री प्रदीप निगोतिया एवं सामाजिक कार्यकर्ता जय कुमार जैन बड़जात्या ने कटारिया से मुलाकात कर उन्हें जैन समाज की मांग से अवगत कराया ।

उपाध्याय श्री ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज के सानिध्य में आचार्य काम कुमार नंदी जी महाराज को विनयांजलि दी

आमेर/जयपुर. शाबाश इंडिया। आमेर स्थित संकटहरण श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पिछले दिनों कर्नाटक राज्य में दिगंबर जैन आचार्य काम कुमार जी महाराज की कुछ लोगो ने उनका अपहरण कर निर्मम हत्या कर दी थी, को चातुर्मासरत उपाध्याय ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज के सानिध्य में विनयांजलि अर्पित की गई, इस अवसर पर पूज्य उपाध्याय श्री ने आचार्य काम कुमार नंदी जी महाराज की आत्मा की शांति कि कमाना के साथ दोषी लोगो पर सख्त कार्रवाई हेतु कर्नाटक सरकार और केंद्र सरकार से आग्रह किया । उपाध्याय श्री ने कहा जैन संतो की सुरक्षा हेतु भारत को एवं सभी राज्य सरकारों को कानून बनाना चाहिए। इस अवसर पर प्रताप नगर के गुरु भक्तो द्वारा नमोकार मंत्रों का साजबाज से पाठ किया एवं भजनों के माध्यम से भगवान से आचार्य कामकुमार नंदी जी महाराज की आत्मा शांति की कामना की। चातुर्मास समिति के मुख्य संयोजक रूपेंद्र छाबड़ा अशोक के अनुसार श्रद्धांजलि सभा में समिति के दौलत फागीवाला, समाज श्रेष्ठि सुखानंद काला, जिनेन्द्र गंगवाल जीतू, बाबू लाल जैन ईट्न्दा, शिखर गोधा सारसोप, महेश सेठी, पूरण गंगवाल सहित शहर की विभिन्न कालोनियों से पधारे भक्त उपस्थित रहे।

त्रि -दिवसीय महोत्सव स्वस्ति भूषण माताजी द्वारा जनकपुरी के नेमिनाथ की वन्दना में रचित विशेष दीप अर्चना पाठ से हुआ शुरू

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी- ज्योतिनगर मन्दिर जी के स्थापना दिवस पर त्रि-दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन घरों पर झण्डा रोहण तथा गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी द्वारा जनकपुरी के मूल नायक तीर्थंकर नेमिनाथ की वंदना में जनकपुरी प्रवास के दौरान रचित सुंदर 48 पदिय काव्य दीप अर्चना के साथ शुरू हुआ। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन का सोभाग्य गुरुभक्त परिवार कैलाश माणक रमेश ठोलिया को मिला। उपस्थित श्रावकों ने एक एक छन्द पर भक्ति भाव के साथ अर्थ समझते हुए मण्डल पर एक एक दीप अर्पित किया। विशेष मति माताजी के सानिध्य में रविवार को प्रातः पारिवारिक पूजन विधान तथा शाम को भक्तामर दीप अर्चना का कार्यक्रम तथा सोमवार को शोभा यात्रा का आयोजन होगा।

संगिनी कैपिटल ने किया सेवा कार्य

कमजोर व निर्धन बच्चों को बांटी स्कूल ड्रेस व बैग

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानव एवं समाज सेवा में अग्रणी महिलाओं की संस्था संगिनी फारम जेएसजी कैपिटल जयपुर द्वारा सामाजिक कार्यों की श्रृंखला में मानसरोवर स्थित स्माइल लर्निंग सेन्टर में सेवा कार्य किया गया। अध्यक्ष शकुन्तला पाण्डया ने बताया कि इस मौके पर 70 बच्चों को स्कूल ड्रेस व स्कूल बेग वितरित किए गए। संस्थापक अध्यक्ष विनिता जैन ने बताया कि संस्था की ओर से निर्धन, जरुरतमंद एवं कमजोर बच्चों को अध्ययन करवाया जाता है। सचिव अलका गोधा ने बताया कि स्माइल करो और पढ़ो इस संस्था का ध्येय है। इस मौके पर कोषाध्यक्ष सुनिता पाटोदी कार्यकारिणी सदस्य , सुनिता काला, मंजू बज,पिंकी जैन, मंजू गंगवाल , नीता बज सहित बड़ी संख्या में संगिनी सदस्याएं शामिल हुईं।